2017

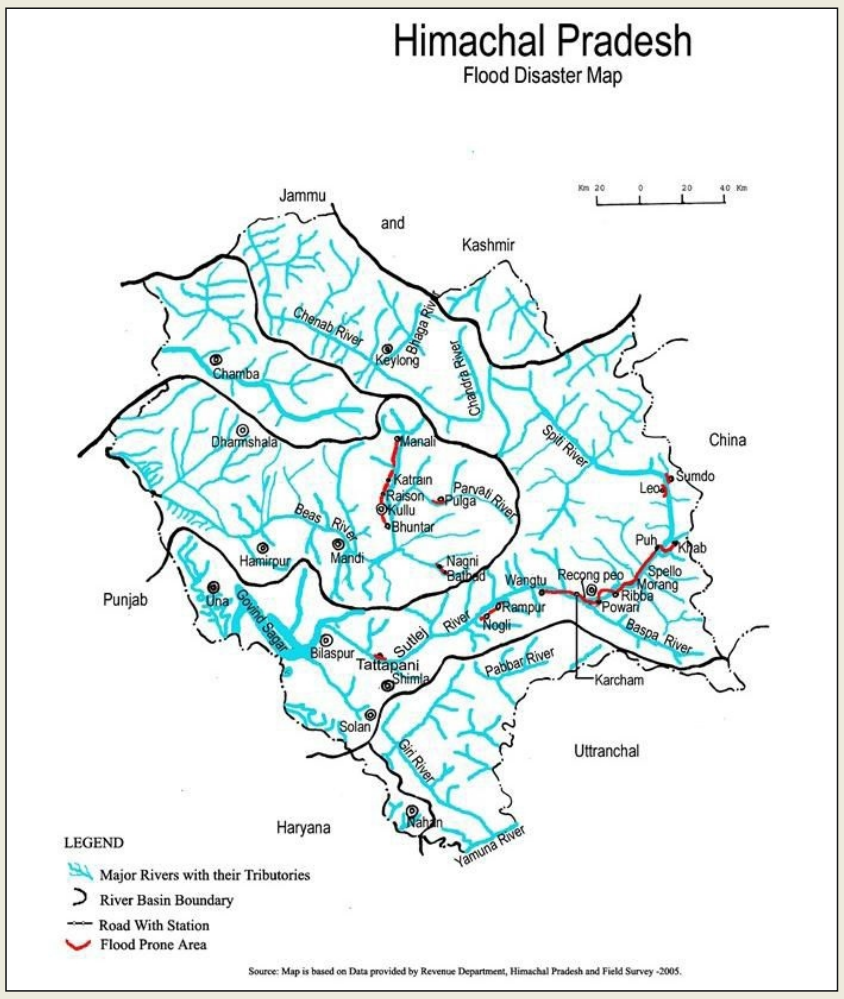

हिमाचल प्रदेश का बाढ़ प्रवणता मानचित्र

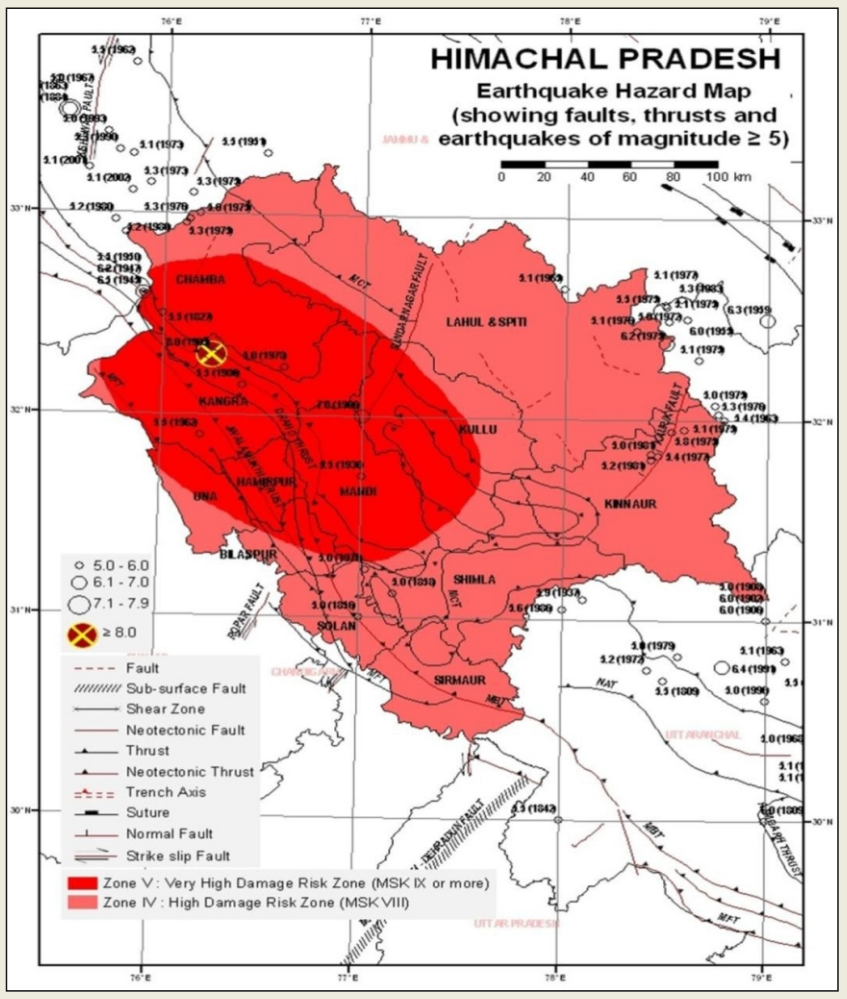

हिमाचल प्रदेश का भूकम्प प्रवणता मानचित्र

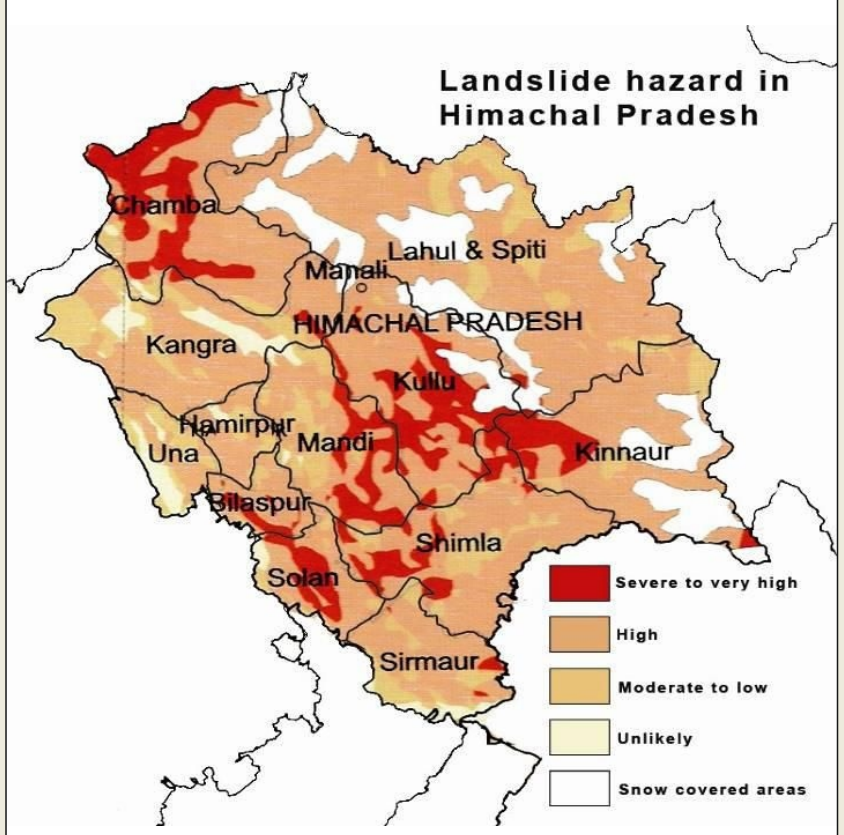

हिमाचल प्रदेश का भूस्खलन प्रवणता मानचित्र

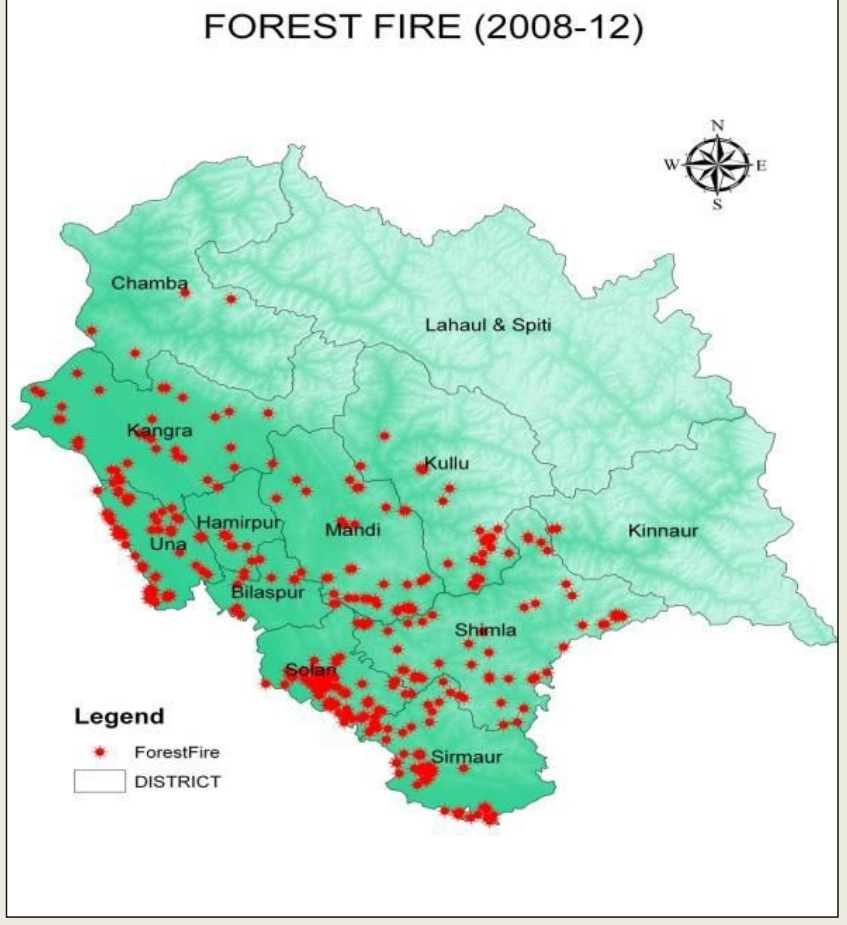

हिमाचल प्रदेश की वन अग्नि प्रवणता मानचित्र

हिमाचल प्रदेश एक बहु–आपदा उन्मुख राज्य है। उच्च अधिकार समिति (एच.पी.सी.) द्वारा चिन्हित कुल 33 आपदाओं में से राज्य 25 के लिए अति संवेदनशील है। प्रदेश प्रतिवर्ष प्राकृतिक तथा मानव निर्मित संकटों का सामना करता आ रहा है। माप पद्धति, भू–विज्ञान एवं स्थलाकृतिक विविधता के फलस्वरूप बादल फटने, फ्लैश–फ्लड, हिमस्खलन, सूखा तथा अन्य प्राकृतिक आपदाएं प्रदेश को प्रायः प्रभावित करती रहती हैं। देश के आपदा उन्मुख मानचित्र में भूकम्प, फ्लैश–फ्लड, भूस्खलन, हिमस्खलन तथा वनों में आग लगने जैसे संकटों के दृष्टिकोण से प्रदेश की गणना दुर्भाग्यवश प्रथम पांच राज्यों में होती है।

निम्नलिखित विशिष्टताएं प्रदेश की जनता की आपदा संवेदनशीलता को और सघन बना देती है:

- भौतिक अलगाव एवं कठिन क्षेत्र
- अधिवास एवं बस्तियों का बिखरा होना
- कठोर जलवायु परिस्थितियां
- उच्च निर्माण लागत
- अप्रयाप्त अधोसंरचना
- अप्रयाप्त सड़क सुविधा
- जीवनयापन हेतु 70 जनता का कृषि एवं सम्बंधित क्षेत्रों पर निर्भर करना
- अप्रयाप्त सिंचाई सुविधा तथा वर्षा पर अधिकतर निर्भर रहना
- पशुधन की बड़ी संख्या (52,26,388)
- जलवायु परिवर्तन संवेदनशीलता

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

शीत लहर से पहले और दौरान

- फॉवड़े, कुदालें, जलावन की लकड़ियाँ और पर्याप्त गर्म कपड़ों के साथ 'आपात्कालीन किट' तैयार रखें।
- घर के अंदर सुरक्षित रहें तथा स्थानीय रेडियो से मौसम की जानकारी लेते रहें।
- शीतदंश के लक्षणों को पहचानें–जैसे हाथों व पैरों की उंगलियों, कानों, नाक आदि पर सफेद या पीले दाग उभर आना। शीतदंश की स्थिति में शीघ्र अपने निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र जाकर इलाज करायें।

- कोयले की अंगीठी/मिट्टी तेल का चूल्हा/ हीटर आदि का प्रयोग करते समय सावधान रहें व कमरे को हवादार रखें, ताकि जहरीले धुएँ से नुकसान न हो।
- विषम परिस्थितियों अथवा अत्यधिक सर्दियों के लिए ईंधन बचा कर रखें।
- शरीर को सूखा रखें, गीले कपड़े तुरंत बदल लें, ये आपके शरीर को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
- अपने परिवार को यथासंभव घर के अंदर सुरक्षित रखें।
- घर में अलाव के साधन नहीं हैं, तो अत्यधिक ठंड के दिनों में सामुदायिक केन्द्रों/स्थलों पर जाएँ, जहाँ प्रशासन द्वारा अलाव का प्रबन्ध किया गया हो।
- कई स्तरों वाले गर्म कपड़े आपको शीतदंश और हाइपोथर्मिया से बचा सकते हैं।

जनवरी **2017** फरवरी

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
30	31					1			1	2	3	4	5
2	3	4	5	6	7	8	6	7	8	9	10	11	12
9	10	11	12	13	14	15	13	14	15	16	17	18	19
16	17	18	19	20	21	22	20	21	22	23	24	25	26
23	24	25	26	27	28	29	27	28					

सावधानी बरतो, खुशहाली लाओ, आपदाओं से अपनी जान बचाओ।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

भूकम्प से पहले

- अपने घर को भूकम्परोधी बनाएँ, भारी फर्नीचर व वस्तुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- अपने घर के आसपास एक ऐसे स्थान का चयन करें, जहाँ भूकम्प के दौरान तथा उसके बाद सुरक्षित शरण ली जा सके।
- घर छोड़ते वक्त अपना आपात्कालीन किट लेना न भूलें, जिसमें जीवन रक्षक दवाओं के साथ कम से कम तीन दिनों के लिए खाद्य सामग्री व पानी शामिल हो।
- भूकम्प के दौरान किसी मजबूत फर्नीचर के नीचे छुप जाएँ तथा अपने सिर व शरीर के महत्वपूर्ण हिस्सों को ढक लें। इस दौरान फर्नीचर को पकड़कर रखें।
- काँच व खिड़कियों से दूर रहें तथा भूकम्प के झटकों के दौरान इमारत से बाहर न निकलें।
- अगर घर से बाहर हैं तो शीघ्र खुले मैदान अथवा सुरक्षित शरण स्थल पर चले जाएँ, इमारतों, पुलों व बिजली के खम्भों से दूर रहें।

भूकम्प से बाद

- सावधानीपूर्वक बाहर आयें, अस्थिर चीजों की जाँच करें कि आपके आसपास या आपके ऊपर कोई अन्य खतरा तो नहीं है। यह भी देखें कि आपको कोई चोट तो नहीं लगी है।
- यदि भूकम्प का झटका एक मिनट व उससे अधिक समय तक के लिए रहे, तो अगले आने वाले झटकों के लिए भी तैयार रहें।
- क्षतिग्रस्त भवनों से अपने आपको दूर रखें। सुरक्षा के निर्देशों की जानकारी के लिए स्थानीय टीवी देखें या रेडियो सुनें।

मार्च **2017** अप्रैल

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
		1	2	3	4	5
6	7	8	9	10	11	12
13	14	15	16	17	18	19
20	21	22	23	24	25	26
27	28	29	30	31		

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

भूकंप है अति विनाशकारी, जिससे बचाये सूझ-बूझ और जानकारी।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

क्या करें

- जंगलों में गर्मी के मौसम के दौरान सूखे कूड़े को एकत्र न होने दें।
- आग के चारों ओर खुदाई या पानी द्वारा घेरा बनाने का प्रयास करें, यदि संभव नहीं हो तो अग्निशमन कर्मियों को बुलाएँ।
- आग के दौरान अग्रिम जानकारी के लिए नियमित रूप से रेडियो सुनें और निर्देशों का पालन करें।
- अपने परिवार व आसपास के लोगों को आग से होने वाले नुकसानों की जानकारी दें।

- जंगल में अचानक आग से डरें नहीं, शांत रहें, धैर्य रखें, समुदाय को समस्या पर धैर्य से काबू पाने के लिए प्रोत्साहित करें।

क्या न करें

- किसी को भी सुलगती हुई सिगरेट, बीड़ी इत्यादि जंगल में नहीं फेंकनी चाहिए।
- जंगल या उसके आसपास लोगों को जलती लकड़ी इत्यादि नहीं छोड़नी चाहिए।
- आग के दौरान जंगल में प्रवेश ना करें।
- जंगल या आसपास पिकनिक के दौरान भोजन बनाने के पश्चात आग को पूर्णरूप से बुझा दें।

मई **2017** जून

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30	31				

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30		

जंगल में आग, प्रकृति पर दाग।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

भूस्खलन से पहले और दौरान

- ढलान, पहाड़ी सिरों के किनारे, जल निकासी के पास या प्राकृतिक कटाव वाली घाटियों के पास घर बनाने से बचें।
- यथाशीघ्र भूस्खलन के क्षेत्र से दूर चले जायें।
- अपने आसपास की जमीन में होने वले परिवर्तनों का ध्यान रखें।
- सतर्क और जागृत रहें, कई लोगों की मृत्यु भूस्खलन के दौरान सोते रहने से होती है।
- असामान्य आवाज से सतर्क रहें, जैसे पेड़ के टूटने या चटकने, पत्थरों के टकराने की आवाज इत्यादि भूस्खलन का संकेत हो सकती है।

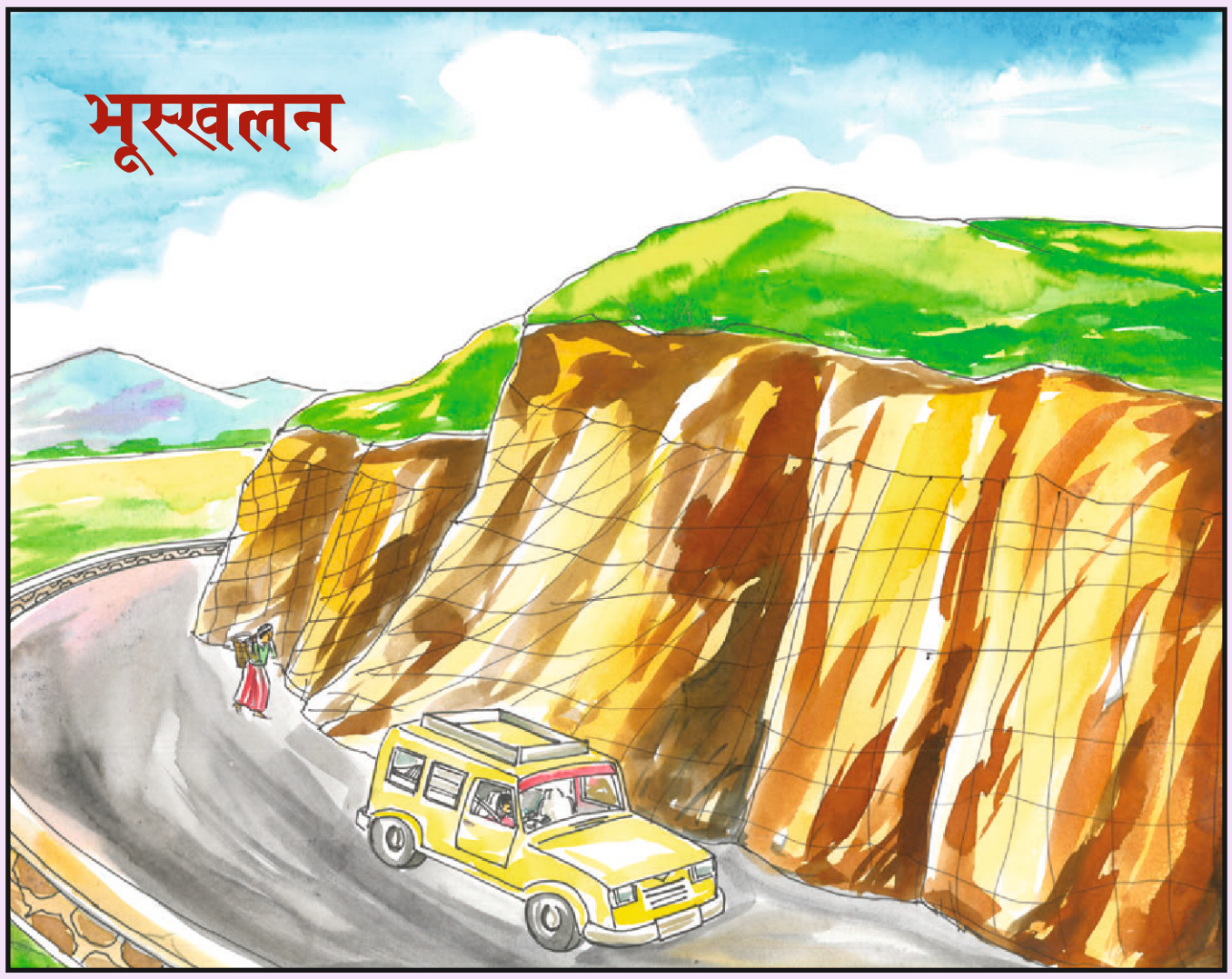

- भूस्खलन के दौरान नदी घाटियों और निचले इलाकों से दूर रहें।
- यदि आप एक नदी या जल स्रोत के पास हैं तो जल स्तर में हुई अचानक वृद्धि या पानी के प्रवाह में हुई कमी से सतर्क रहें। पानी का अचानक गंदा/मैला हो जाना, भूस्खलन आने का संकेत हो सकता है।

भूस्खलन के बाद

- अपने निकटतम शरण स्थल पर आश्रय लें ताकि आप भूस्खलन से सुरक्षित रहें।
- अगर आपको जगह खाली करने के लिए निर्देशित किया गया हो तो एक नामित सार्वजनिक आश्रय के लिए प्रस्थान करें।
- भूस्खलन के क्षेत्र से दूर रहें, वहाँ अतिरिक्त भूस्खलन होने का खतरा हो सकता है।
- भूस्खलन क्षेत्र में प्रवेश किए बिना घायल और फंसे व्यक्तियों की जाँच करें तथा बचाव दल को उनके स्थान के लिए निर्देशित करें।

जुलाई **2017** अगस्त

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
31					1	2
3	4	5	6	7	8	9
10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23
24	25	26	27	28	29	30

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30	31			

सुरक्षित होगी जब प्रकृति की सतह, तब होगी प्राकृतिक आपदा पर फतह।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

बाढ़ से पहले और दौरान

- यदि आपके क्षेत्र में बाढ़ की आशंका है तो स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक निर्माण सामग्री पर विचार करें।
- रेडियो या टीवी से बाढ़ की सूचना लगातार जानते रहें।
- अपने निकटतम शरण स्थलों व सुरक्षित मार्गों की पूर्ण जानकारी रखें। आपात्कालीन किट तैयार रखें।
- आपात्कालीन स्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद्य पदार्थ, पीने का पानी आदि का भंडारण कर लें।
- उबला पानी पीयें/हल्का खाना लें, उपलब्ध भोजन/खाद्य सामग्रियों को ढक कर रखें।
- बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं को खाली पेट न रहने दें।
- विषधर जीवों से सचेत रहे।

बाढ़ के बाद

- गर्म कपड़े, आवश्यक दवाएँ, कीमती सामान, जरूरी कागजात आदि सुरखित बैग में पैक रखें। आपात्स्थिति में इसे सदैव अपने साथ रखें।
- फर्नीचर, कपड़े और कीमती सामान बेड, टेबल आदि जैसे ऊँचे स्थानों पर ही रखें।
- मुख्य बिजली की आपूर्ति बंद रखें। उन बिजली उपकरणों का प्रयोग न करें जो पानी में भीगे हों।
- बच्चों को बाढ़ के पानी के पास खेलने की अनुमति ना दें।
- बाढ़ के पानी की अज्ञात गहराई में उतरना खतरनाक हो सकता है।

सितम्बर **2017** अक्तूबर

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
				1	2	3	30	31					1
4	5	6	7	8	9	10	2	3	4	5	6	7	8
11	12	13	14	15	16	17	9	10	11	12	13	14	15
18	19	20	21	22	23	24	16	17	18	19	20	21	22
25	26	27	28	29	30		23	24	25	26	27	28	29

कटते पेड़, उजड़ते वन, दे रहे आपदाओं को निमंत्रण।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5

क्या करें; क्या न करें :

आपदा से पहले

- ❖ याद रखें, रबर सोल के जूते रबर-टायर बिजली गिरने से कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं।
- ❖ संभावित आपदा से पूर्व घर के सभी बिजली उपकरणों का सम्पर्क हटा दें, ताकि आपदा के दौरान करंट से उपकरणों को बचाया जा सके।
- ❖ बिजली के उपकरणों या तारों के साथ संपर्क से बचें। अन्य बिजली के उपकरणों को बिजली के संपर्क से हटा दें।
- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों का सहारा न लें। बिजली गिरने के दौरान इनमें करंट का प्रवाह हो सकता है।

आपदा के बाद

- ❖ स्थानीय रेडियो व अन्य संचार साधनों के द्वारा मौसम की जानकारी व अन्य निर्देश प्राप्त करते रहना चाहिए।
- ❖ बिजली के खंभों/टूटे तारों से दूर रहें व इसकी जानकारी नजदीकी बिजली कार्यालय अथवा पुलिस चौकी को शीघ्र दें।

नवम्बर **2017** दिसम्बर

सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	रवि
		1	2	3	4	5					1	2	3
6	7	8	9	10	11	12	4	5	6	7	8	9	10
13	14	15	16	17	18	19	11	12	13	14	15	16	17
20	21	22	23	24	25	26	18	19	20	21	22	23	24
27	28	29	30				25	26	27	28	29	30	31

जागरूक रहेंगे जब हम सदा, रुक जाएगी तब आपदा।

Issued in public interest by:

Himachal Pradesh State Disaster Management Authority (HPSDMA)
Department of Revenue, Himachal Pradesh Secretariat, Shimla–02
Phone: +91 177 2880331 Helpline (Toll Free) -1070
Email: sdma–hp@nic.in
Website: http://www.hpsdma.nic.in

SajagHimachal

Printed By : Controller Printing & Stationery Deptt. Shimla-5